प्रश्न - 6 LPG क्या है ? इस हेतु भारत में क्या-क्या प्रमुख कदम उठाये गये है ? भारत में LPG के प्रभावों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ? (300 शब्दों में)

उत्तर - 6 1990 का दशक भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव और सुधार लेकर आया था। आर्थिक सुधारों के इस नये मॉडल को LPG के रूप में जाना जाता है।

* उदारीकरण :- अर्थव्यवस्था में बाजार समर्थक आर्थिक नीतियों की ओर झुकाव ही उदारीकरण है।

भारत में आर्थिक उदारीकरण का तात्पर्य 'भारत में 24 जुलाई 1991 से निरंतर जारी आर्थिक सुधारों से है।'

BHOPAL
Established since:1990

* निजीकरण :- निजीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें क्षेत्र या उद्योग को सार्वजनिक क्षेत्र से निजी क्षेत्र में स्थानांतरित किया जाता है।

* वैश्वीकरण :- वैश्वीकरण का अभिप्राय किसी देश की अर्थव्यवस्था को विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं से जोड़ने से है, जिससे व्यावसायिक क्रियाओं का विश्व स्तर पर विस्तार हो सके तथा देशों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का विकास हो।

⇒ LPG हेतु भारत में उठाये गये प्रमुख कदम

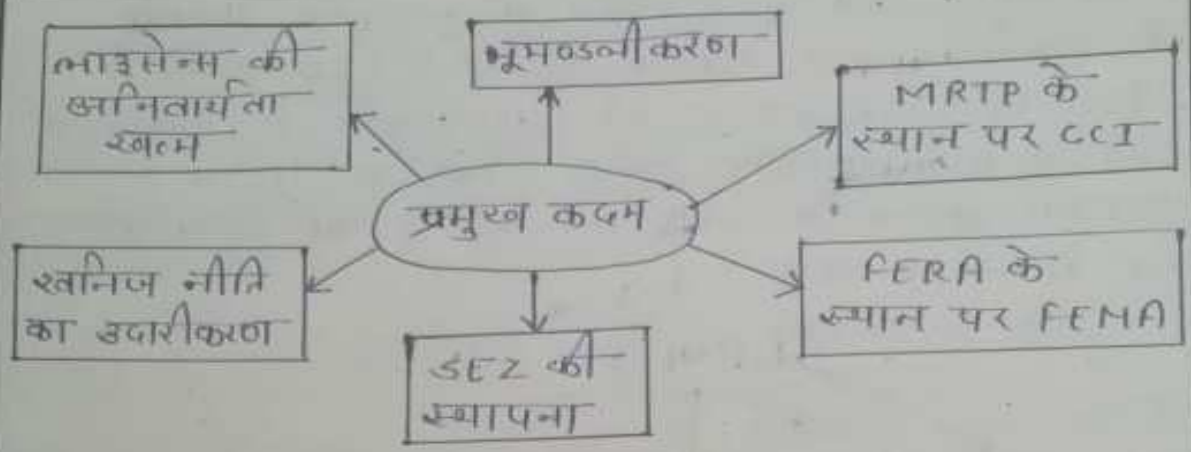

(1) लाइसेंस की अनिवार्यता खत्म :- शराब, सिगरेट, खतरनाक रसायन, औद्योगिक विस्फोट आदि से संबंधित उद्योगों को छोड़ कर अधिकांश उद्योगों की लाइसेन्स लेने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई।

(2) विदेशी पूंजीवाद (भूमण्डलीकरण) :- भूमण्डलीकरण को आरंभ किया गया।

BHOPAL
Established since 1990

(3) MRTP के स्थान पर CCI :- MRTP अधिनियम को समाप्त कर अब CCI (Competition Commission of India) की स्थापना की गई है।

(4) FERA के स्थान पर FEMA :- FERA के स्थान पर FEMA (The Foreign Exchange Management Act) को लाया गया।

(5) खनिज नीति का उदारीकरण :- खनिज नीति भी उदारीकृत की गई और 13 खनिजों को सार्वजनिक क्षेत्र से अनारक्षित कर दिया गया।

⑥ SEZ (Special Economic Zone) विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना की गई।

⇒ **भारत में LPG का प्रभाव**

लाभ (सफलता) →
- ⇒ GDP में वृद्धि हुई।
- ⇒ प्रतिव्यक्ति आय बढ़ी।
- ⇒ रोजगार के अवसर बढ़े।
- ⇒ उपभोक्ता के लिये चुनाव का अधिकार
- ⇒ भारतीय कंपनियों की अंतर्राष्ट्रीय साख बढ़ी।
- ⇒ भारतीय श्रम विदेशों में गया, जिससे आउटसोर्सिंग को बढ़ावा मिला।
- ⇒ उद्योगों की स्थिति सुधरी।

हानि (असफलता) ⇒
- ⇒ भारत में विनिर्माण क्षेत्रों को नुकसान पहुँचा।
- ⇒ अमीरी-गरीबी की खाई बढ़ी।
- ⇒ भारत में विदेशी पूंजी निवेश राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हुआ।
- ⇒ आर्थिक साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला
- ⇒ बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किसानों का शोषण किया गया।

BHOPAL

⇒ **निष्कर्ष** :- LPG राज में अर्थव्यवस्था में आ रही अड़चनों और जटिलताओं को दूर करने तथा अर्थव्यवस्था को सरल और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये LPG मॉडल लाया गया। जिसका उद्देश्य दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को तेजी से विकसित अर्थव्यवस्था बनाना तथा दूसरी अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकलना था।